BECC-131

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य 2022–23

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.ई.सी.ई.-131
व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य
(2022-23)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.-131, व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ तथा उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यहाँ आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य आपको अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के भीतर जमा करा देने चाहिए।

i) **जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल, 2023 है।**

ii) **जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर 2023 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2022-23
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य -1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 20 अंक है। **2x20 =40**

1. उपयुक्त रेखाचित्र की सहायता से दुर्लभ संसाधनों के आवंटन हेतु राशनिंग व्यवस्था के पीछे प्रदत्त तर्कों का विवेचन करें। **(20)**

2. क) एक ऐसे उपभोक्ता पर विचार करें जिसकी आय M है, वह दो वस्तुओं X तथा Y वस्तु का चयन करता है जिनकी कीमत क्रमशः P_X तथा P_Y है। उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग करते हुए उस रेखाचित्र के क्षितिज अक्ष पर X वस्तु तथा ऊर्ध्व अक्ष पर Y वस्तु को अंकित करें। यदि Y वस्तु की कीमत P_Y से बढ़कर P_Y' हो जाती है तो इस कीमत प्रभाव को प्रतिस्थापन प्रभाव एवं आय प्रभाव में विभाजित करें, यह मानते हुए कि दोनों ही वस्तुएँ सामान्य हैं। **(15)**

   ख) मान लीजिए कि एक उपभोक्ता को A तथा B नामक दो सामान्य वस्तुओं में से चयन करना है। शुरुआत में उसकी आय रु.10 है तथा प्रति इकाई A वस्तु की कीमत रु.2 तथा B वस्तु की कीमत रु.3 है। अब मान लीजिए कि उपभोक्ता की आय बढ़कर रु. 20 हो जाती है, A वस्तु की कीमत बढ़कर रु.3 तथा B वस्तु की कीमत रु.4.50 हो जाती है। इस परिवर्तन का दोनों वस्तुओं की माँग पर क्या प्रभाव पड़ेगा? **(5)**

सत्रीय कार्य 2

मध्यम श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x10=30**

3. क) मान लीजिये कि किसी फर्म का उत्पादन फलन रेखीय सजातीय है। अल्पकाल एवं दीर्घकाल दोनों के तहत उस फर्म के विस्तार पथ की आकृति पर टिप्पणी करें। **(4)**

   ख) निम्नलिखित तालिका पर विचार करें जो किसी फर्म की कुल लागत सूची को व्यक्त करती है। उत्पादन की दो इकाइयों के पैदा करने पर औसत स्थिर लागत रु.10 आती है। उत्पादन के संबंधित मूल्यों के फर्म की कुल परिवर्ती लागत, कुल स्थिर लागत, औसत परिवर्ती लागत, औसत स्थिर लागत, अल्पकालीन औसत लागत और अल्पकालीन सीमांत लागत अनुसूची का आकलन करें। **(6)**

उत्पादन की लागत	कुल लागत
1	50
2	65
3	75
4	95
5	130
6	185

4. क) माँग एवं पूर्ति विश्लेषण के संबंध में वालरसियन संतुलन एवं वालरसियन स्थिरता शर्त पर चर्चा करें। (5)

ख) दो वस्तुओं X तथा Y की माँग की आय लोच क्रमशः + 3.0 तथा – 0.2 है। आय के 5 प्रतिशत बढ़ने पर X तथा Y वस्तुओं की माँग की गयी मात्रा में क्या परिवर्तन होगा? (4)

ग) किन्हीं दो वस्तुओं के बीच संबंध ज्ञात करने के लिए माँग की आड़ी कीमत लोच का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? (2)

5. क) एक नतोदार उत्पादन संभावना वक्र की रचना करें। नीचे की ओर ढलते हुए वक्र की नतोदारता का निहितार्थ क्या है? (6)

ख) इसी चित्र में उस उत्पादन संयोग को चिन्हित करें। (2)
(i) जो प्राप्त करने योग्य हो परंतु दक्ष न हो।
(ii) जो प्राप्त करने योग्य भी हो परंतु दक्ष भी हो।

ग) उत्पादन संभावना वक्र में बायीं ओर विवर्तन क्या ला सकता है? (2)

सत्रीय कार्य–3

प्रत्येक लघु वर्ग के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं। 5x 6=30

6. घटती हुई सीमांत उपयोगिता के नियम की व्याख्या करें। किन मामलों में यह नियम लागू नहीं होता है। (6)

7. दुलर्भता सभी आर्थिक समस्याओं का मूल कारण है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्या करें। (6)

8. उत्पादन में किसी साधन में परिवर्तन करने पर उसके वृद्धि, स्थिर एवं घटते हुए प्रतिफल के पीछे क्या कारण हैं? (6)

9. आदा-प्रदा समोत्पादक वक्र की आकृति पर विचार-विमर्श करें। (6)

10. निम्नलिखित के बीच अंतर स्पष्ट करें –

(i) पैमाने की आंतरिक मितव्ययताएँ एवं आंतरिक अमितव्ययताएँ।

(ii) सार्वजनिक वस्तु एवं मैरिट वस्तु।